



Sonia

03 Jan 1979

12:45 PM

Panipat

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 121838501

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 03/01/1979
दिन _____: बुधवार
जन्म समय _____: 12:45:00 घंटे
इष्ट _____: 13:39:23 घटी
स्थान _____: Panipat
राज्य _____: Haryana
देश _____: India

अक्षांश _____: 29:24:00 उत्तर
रेखांश _____: 76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:22:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:04:14 घंटे
साम्पातिक काल _____: 19:12:09 घंटे
सूर्योदय _____: 07:17:14 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:35:39 घंटे
दिनमान _____: 10:18:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 18:44:57 धनु
लग्न के अंश _____: 01:58:07 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मेष - मंगल
राशि-स्वामी _____: कुम्भ - शनि
नक्षत्र-चरण _____: पू०भाद्रपद - 1
नक्षत्र स्वामी _____: गुरु
योग _____: व्यतिपात
करण _____: कौलव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: सिंह
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1900	पौष	13
पंजाबी	संवत : 2035	पौष	20
बंगाली	सन् : 1385	पौष	18
तमिल	संवत : 2035	मार्गडी	19
केरल	कोल्लम : 1154	धनु	19
नेपाली	संवत : 2035	पौष	19
चैत्रादि	संवत : 2035	पौष	शुक्ल 5
कार्तिकादि	संवत : 2035	पौष	शुक्ल 5

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 5
तिथि समाप्ति काल _____ : 08:44:55
जन्म तिथि _____ : 6
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : शतभिषा
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 11:07:53 घंटे
जन्म योग _____ : पू०भाद्रपद
सूर्योदय कालीन योग _____ : व्यतिपात
योग समाप्ति काल _____ : 23:44:09 घंटे
जन्म योग _____ : व्यतिपात
सूर्योदय कालीन करण _____ : बालव
करण समाप्ति काल _____ : 08:44:55 घंटे
जन्म करण _____ : कौलव
भयात _____ : 04:02:44
भभोग _____ : 56:42:58
भोग्य दशा काल _____ : गुरु 14 वर्ष 10 मा 4 दि

घात चक्र

मास _____ : चैत्र
तिथि _____ : 3-8-13
दिन _____ : गुरुवार
नक्षत्र _____ : आर्द्रा
योग _____ : गण्ड
करण _____ : किंस्तुघ्न
प्रहर _____ : 3
वर्ग _____ : श्वान
लग्न _____ : मिथुन
सूर्य _____ : वृष
चन्द्र _____ : धनु
मंगल _____ : मिथुन
बुध _____ : वृष
गुरु _____ : कर्क
शुक्र _____ : सिंह
शनि _____ : मेष
राहु _____ : कन्या

Pt Rupinder vashishth

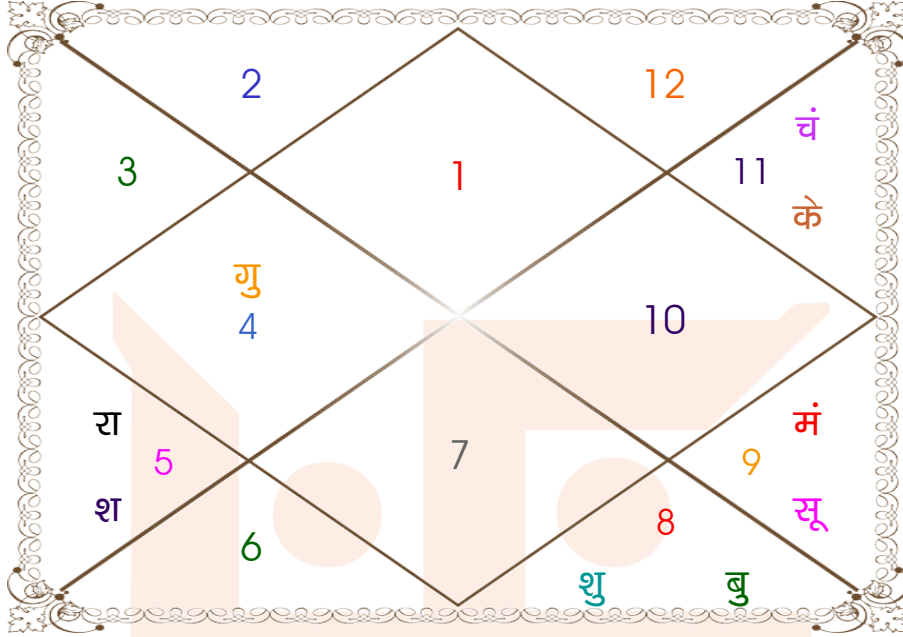
Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

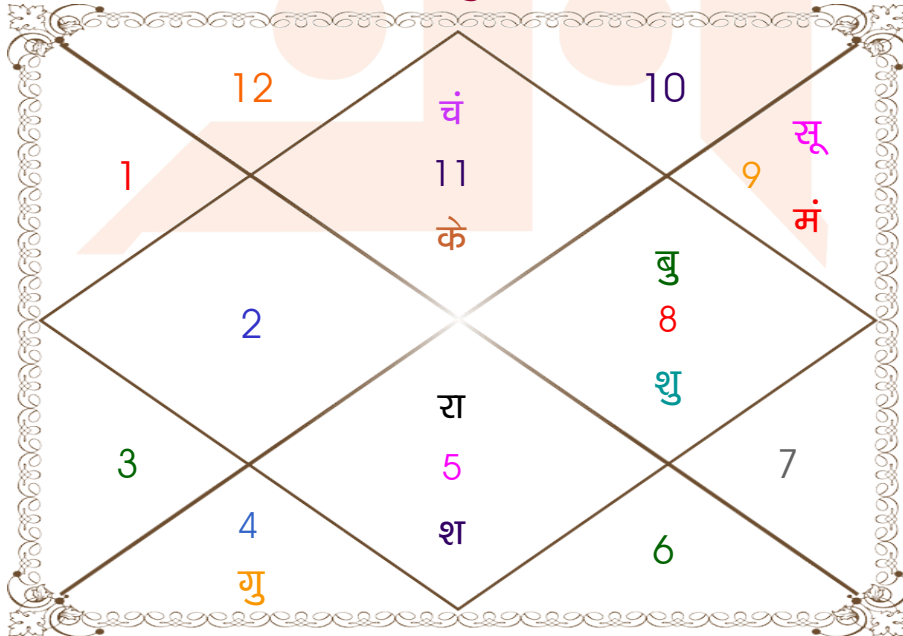
rupendersharma1971@gmail.com

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

	ल		
के चं		गु	
		रा श	
मं सू	शु बु		

लग्न कुंडली

	ल	के चं
गु		
श रा		सू मं
		बु शु

विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 10मा 4दि
गुरु

03/01/1979

07/11/2097

गुरु	07/11/1993
शनि	07/11/2012
बुध	07/11/2029
केतु	07/11/2036
शुक्र	07/11/2056
सूर्य	07/11/2062
चन्द्र	07/11/2072
मंगल	08/11/2079
राहु	07/11/2097

योगिनी

भामरी 3वर्ष 8मा 16दि

उल्का

20/09/2023

19/09/2029

उल्का	19/09/2024
सिद्धा	19/11/2025
संकटा	21/03/2027
मंगला	21/05/2027
पिंगला	20/09/2027
धान्या	20/03/2028
भामरी	19/11/2028
भद्रिका	19/09/2029

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

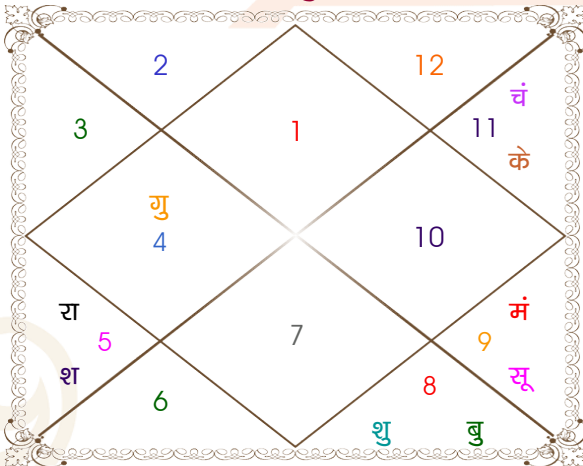
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मेष	01:58:07	---	--	--	--	नेक
सूर्य	धनु	18:44:57	मित्र राशि	--	--	--	नेक
चन्द्र	कुम्भ	20:57:46	सम राशि	--	--	--	मन्दा
मंगल	धनु	22:54:58	मित्र राशि	--	--	--	नेक
बुध	वृश्चिक	28:35:33	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
गुरु	व कर्क	13:10:44	उच्च राशि	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	वृश्चिक	02:50:23	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	व सिंह	20:17:36	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
राहु	व सिंह	26:22:48	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व कुम्भ	26:22:48	शत्रु राशि	--	--	हाँ	मन्दा

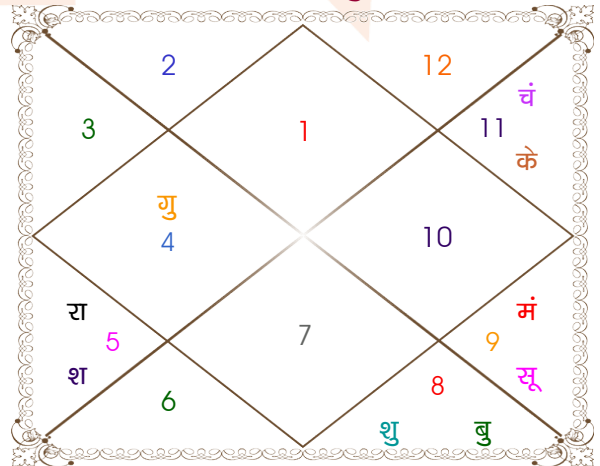
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

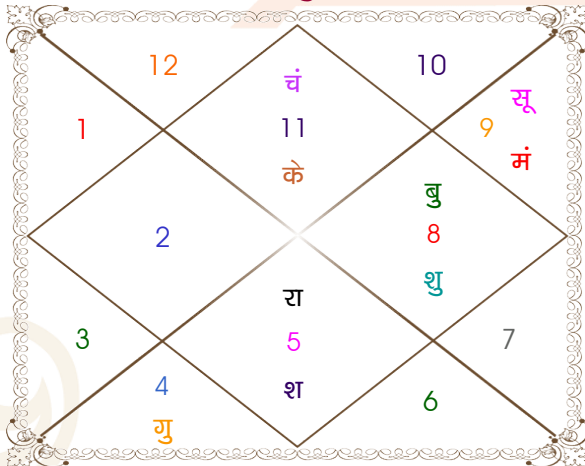
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

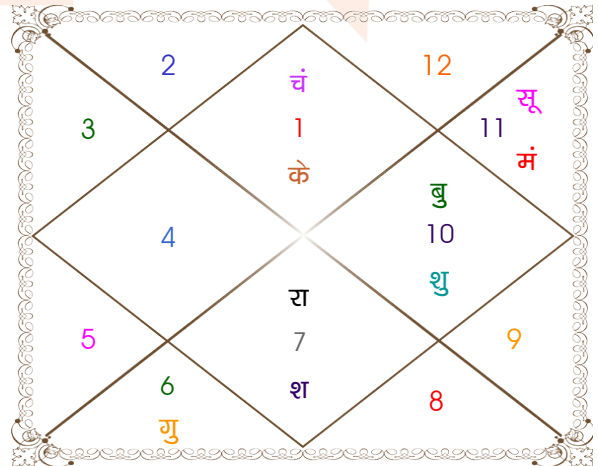
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	लंबी उम्र/ भारी कबीला ।	--
चंद्र	निरपेक्ष, शून्य समान ।	--
मंगल	बुजुर्गों से ही चलता शाही तख्त ।	--
बुध	बीमारी और जहमत ।	--
गुरु	चंद्र की राजधानी का मुल्की गुरु ।	--
शुक्र	जली मिट्टी की चंडाल औरत ।	--
शनि	कच्चे खाने वाला सांप ।	--
राहु	शरारती, संतान गर्क मगर सूर्य को तारे ।	--
केतु	गीदड़ स्वभाव कुत्ता ।	--

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupindersharma1971@gmail.com

लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 03/01/1979 03/01/1985	राहु 6 वर्ष 03/01/1985 03/01/1991	केतु 3 वर्ष 03/01/1991 03/01/1994	गुरु 6 वर्ष 03/01/1994 03/01/2000	सूर्य 2 वर्ष 03/01/2000 03/01/2002
राहु 03/01/1981 बुध 03/01/1983 शनि 03/01/1985	मंगल 03/01/1987 केतु 03/01/1989 राहु 03/01/1991	शनि 03/01/1992 राहु 03/01/1993 केतु 03/01/1994	केतु 03/01/1996 गुरु 03/01/1998 सूर्य 03/01/2000	सूर्य 03/09/2000 चंद्र 04/05/2001 मंगल 03/01/2002
चंद्र 1 वर्ष 03/01/2002 03/01/2003	शुक्र 3 वर्ष 03/01/2003 03/01/2006	मंगल 6 वर्ष 03/01/2006 03/01/2012	बुध 2 वर्ष 03/01/2012 03/01/2014	शनि 6 वर्ष 03/01/2014 03/01/2020
गुरु 05/05/2002 सूर्य 03/09/2002 चंद्र 03/01/2003	मंगल 03/01/2004 शुक्र 03/01/2005 बुध 03/01/2006	मंगल 03/01/2008 शनि 03/01/2010 शुक्र 03/01/2012	चंद्र 03/09/2012 मंगल 04/05/2013 गुरु 03/01/2014	राहु 03/01/2016 बुध 03/01/2018 शनि 03/01/2020
राहु 6 वर्ष 03/01/2020 03/01/2026	केतु 3 वर्ष 03/01/2026 03/01/2029	गुरु 6 वर्ष 03/01/2029 03/01/2035	सूर्य 2 वर्ष 03/01/2035 03/01/2037	चंद्र 1 वर्ष 03/01/2037 03/01/2038
मंगल 03/01/2022 केतु 03/01/2024 राहु 03/01/2026	शनि 03/01/2027 राहु 03/01/2028 केतु 03/01/2029	केतु 03/01/2031 गुरु 03/01/2033 सूर्य 03/01/2035	सूर्य 04/09/2035 चंद्र 04/05/2036 मंगल 03/01/2037	गुरु 04/05/2037 सूर्य 03/09/2037 चंद्र 03/01/2038
शुक्र 3 वर्ष 03/01/2038 03/01/2041	मंगल 6 वर्ष 03/01/2041 03/01/2047	बुध 2 वर्ष 03/01/2047 03/01/2049	शनि 6 वर्ष 03/01/2049 03/01/2055	राहु 6 वर्ष 03/01/2055 03/01/2061
मंगल 03/01/2039 शुक्र 03/01/2040 बुध 03/01/2041	मंगल 03/01/2043 शनि 03/01/2045 शुक्र 03/01/2047	चंद्र 04/09/2047 मंगल 04/05/2048 गुरु 03/01/2049	राहु 03/01/2051 बुध 03/01/2053 शनि 03/01/2055	मंगल 03/01/2057 केतु 03/01/2059 राहु 03/01/2061
केतु 3 वर्ष 03/01/2061 03/01/2064	गुरु 6 वर्ष 03/01/2064 03/01/2070	सूर्य 2 वर्ष 03/01/2070 03/01/2072	चंद्र 1 वर्ष 03/01/2072 03/01/2073	शुक्र 3 वर्ष 03/01/2073 03/01/2076
शनि 03/01/2062 राहु 03/01/2063 केतु 03/01/2064	केतु 03/01/2066 गुरु 03/01/2068 सूर्य 03/01/2070	सूर्य 03/09/2070 चंद्र 05/05/2071 मंगल 03/01/2072	गुरु 04/05/2072 सूर्य 03/09/2072 चंद्र 03/01/2073	मंगल 03/01/2074 शुक्र 03/01/2075 बुध 03/01/2076
मंगल 6 वर्ष 03/01/2076 03/01/2082	बुध 2 वर्ष 03/01/2082 03/01/2084	बुध 2 वर्ष 03/01/2082 03/01/2084	बुध 2 वर्ष 03/01/2082 03/01/2084	बुध 2 वर्ष 03/01/2082 03/01/2084
मंगल 03/01/2078 शनि 03/01/2080 शुक्र 03/01/2082	चंद्र 03/09/2082 मंगल 05/05/2083 गुरु 03/01/2084	चंद्र 03/09/2082 मंगल 05/05/2083 गुरु 03/01/2084	चंद्र 03/09/2082 मंगल 05/05/2083 गुरु 03/01/2084	चंद्र 03/09/2082 मंगल 05/05/2083 गुरु 03/01/2084

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्वऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या अधिक से अधिक दस-दस रुपये जितने भी रुपये सभी दे सकें) इकट्ठा कर के धर्म स्थान पर सामूहिक यज्ञ करें।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का

अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में नौवें खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप भाग्यवान होंगे। आपको उत्तम वाहन सुख मिलेगा। बड़े परिवार से युक्त रहेंगे। आप परोपकारी होंगे। आप अपनी सात पुश्र्तों को तारने वाले होंगे। आप अपने खानदान के लिए पूरा जीवन न्यौछावर कर देंगे। 22वें वर्ष में आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। माता-पिता की कृपा से राजदरबार में इज्जत मिलेगी। तीर्थ यात्रा करने से आपके जीवन पर अच्छा असर पड़ेगा। आपके परंपरागत काम या सरकारी ठेकेदारी के धंधे से लाभ होगा। आपको माता-पिता का अच्छा सुख मिलेगा। आपकी बचपन में परवरिश खानदानी ढंग तथा सुख साधन से होगी। आप खानदान के लिए त्याग करेंगे और आप परोपकारी होंगे। आप पोते-पड़पोते के जन्म की खुशियां देखेंगे। पैसे की तंगी नहीं रहेगी। आप दूसरों की बीमारी दूर करने में मदद करेंगे। आपके पिता को सरकार पक्ष से लाभ होगा। बहुत बड़े परिवार को पालने का जिम्मा आप पर हो सकता है। धार्मिक कार्यों से तरक्की और कीर्ति मिलेगी। स्वपराक्रम से अपनी किस्मत का सितारा चमकायेंगे। सरकारी विभाग में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा, राजा या राजा तुल्य जीवन होगा, नौकरी-व्यापार में लाभ होगा।

यदि आपकी रसोई में उल्टे या बहुत समय से पुराने खाली बर्तन पड़े रहे, मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, भाई-बहन से झगड़ा किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से स्वभाव अति उग्र या अति नम्र स्वभाव रहने से सर्वस्व खोना पड़ सकता है। गिफ्ट/मुफ्त का माल या दान खाने से हर तरफ हानि होगी, यात्रा में कष्ट होगा, बहन-भाई द्वारा विरोध और किस्मत का बुरा असर शुरु हो जायेगा। कई बार आपको नेकी का बदला बुराई में मिल सकता है और जिसके साथ आप संबंध रखेंगे उसी की हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त या दान के माल से दूर रहें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

उपाय :

1. पीतल के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. सूर्य ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल में प्रवाहित करें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से विद्या का पूरा लाभ उठायेंगे जो आगे आने वाले समय में शुभ रहेगा। अगर आप रात्रि समय विद्या पढ़ें तो

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाभ हो सकता है। आपके पास सुख के सब साधन उपलब्ध रहेंगे। सत्ता का श्रेष्ठतम फल प्राप्त होगा। 32 वर्ष की उम्र तक लगातार धन आता रहेगा। आपको स्त्रियों का सहयोग मिलेगा और स्त्री से लाभ प्राप्त होगा। आमदनी में बरकत होगी।

यदि आपने शुक्रवार विवाह किया या रात्रि समय विवाह के फेरे लिए, प्रभात समय दान दिया या लिया, बुधवार को नया काम शुरू किया, शनिवार मकान मशीनरी खरीदी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से विद्या में रुकावट आयेगी। संतानोत्पत्ति में बाधा होगी या आपको पुत्र प्राप्ति में बाधा आ सकती है। कामशक्ति की दुर्बलता रहेगी (कामशक्ति में कमजोरी के समय किसी वैद्य की सलाह से सोना युक्त दवाईयां या दूध से बनी चीजों का इस्तेमाल करें)। आपकी माता देर से आपके पुत्र का सुख देखेंगी। आपकी स्त्री को जब बच्चा पैदा होने वाला हो तो आपकी माता वहां से कहीं और चली जाएं या आपकी स्त्री अपने मायके में बच्चा पैदा करे। आपकी माता जन्म के बाद आपके बच्चे को 43 दिन तक आंखों से न देखें या हाथों में न उठायें कर तो आपकी माता और आपके बच्चे की लम्बी आयु रहेगी वरना एक की आयु क्षीण हो जाएगी। आपका या आपकी माता की आंखों के आप्रेशन का भय है। आपके दादी-माता से अधिक मधुर संबंध नहीं रहेगे। आप दुश्मन से परेशान रहेंगे। आपके जीवन में उत्थान-पतन के भी योग आ सकते हैं। आपके भाई-बंधु एवं संपत्ति पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. विद्या अधूरी न छोड़ें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. भैरों मंदिर में दूध चढ़ावें या मजदूर पेशा आदमी को दूध पिलायें।
2. माता का स्वास्थ्य खराब हो तो 11-11 खोये के पेड़े 11 बच्चों में बांटें।
3. घर में छत के नीचे नदी का पानी रखें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में नौवें खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से आप बड़े ही भाग्यशाली हैं। आपको पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। आपकी 13-14 वर्ष की आयु में आपके पिता को बहुत बड़ा लाभ होगा। 28वें वर्ष की आयु में आप पूर्ण भाग्यशाली होंगे। आप एक योग्य प्रशासक होंगे। आपको धन कमाने के बहुत अच्छे अवसर मिलेंगे या अच्छी नौकरी या अच्छे व्यवसाय से धन इकट्ठा होगा। आपको भाई के साथ रहना शुभ होगा। आपको भाई की पत्नी से लाभ होगा। बड़े भाई के साथ व्यवसाय करने से लाभ होगा। आपको होटल, मिठाई आदि के व्यवसाय से बहुत लाभ हो सकता है। आपको पैसे के लिए किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़ेगा। माता की सेहत अच्छी रहेगी और उसका सुख भी प्राप्त होगा। आपको

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

पैतृक संपत्ति मिलेगी। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप सत्ता पक्ष से लाभ प्राप्त करेंगे। आपको धर्म-कर्म करते रहने से अच्छा फल मिलेगा। धर्म करने से तथा घर में उत्सव मनाने से भाग्य में वृद्धि होगी।

यदि आपने पिता से झगड़ा किया या पिता का विरोध किया, धर्म के खिलाफ काम किया, समाज विरोधी काम किया, भाई और भाई की पत्नी से झगड़ा किया तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आप कभी-कभी नास्तिकवाद की वकालत करेंगे। आप पर कोई बड़ा कलंक भी लग सकता है। आपके धर्म के विरुद्ध आचरण करने से बदनामी हो सकती है। अगर आप परदेश में रहेंगे तो दुःखी रहेंगे। आपकी कितनी भी ताकत हो, चाहे आपके पास बॉस का दर्जा हो आपको अपने से छोटे लोगों से मांग कर खाना पड़ेगा अर्थात् शेर को गीदड़ से मांग कर खाना पड़ेगा, ऐसी कहावत आप पर चरितार्थ होगी। सभा समाज में आपको अपनी गलतियों द्वारा तिरस्कृत होना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परदेश में रिहाइश न करें।
2. भाई से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. भाई की पत्नी की सेवा करें।
2. लाल रंग का रुमाल पास रखें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली के आठवें खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपको परिश्रम करते रहना पड़ेगा। आप गुप्त विद्या के जानकार या गुप्त विद्या से लगाव रखने वाले हैं। 34 वर्ष के बाद समय अच्छा हो जाएगा। राजदरबार से सम्मान मिलेगा, ससुराल से लाभ मिलेगा।

यदि आपके घर में लाल, गुलाबी, महरून आदि रंग के कोरे कपड़े होंगे या मिट्टी का कोरा बर्तन होगा घर की सीढ़ियां टूटी हुई होंगी, परस्त्री संबंध रखेंगे तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपका धन रोग-बीमारी में बहुत खर्च होगा। गुप्त रूप से तबाह होते रहेंगे। कुछ हानिकारक समय आ सकता है। आपको काफी सूझ-बूझ से काम लेना चाहिए अन्यथा जेल भी जाना पड़ सकता है। अस्पताल, वीरान अथवा घर से बाहर समय बिताना पड़ सकता है। नौकरी या व्यवसाय में अचानक बाधा आ सकती है। आय में आधे की क्षति हो जाएगी जो समझ में नहीं आएगी। दंत या नाड़ियों में बीमारी हो सकती है। पत्नी का मारक योग या दो पत्नी रखेंगे। धन-दौलत भी खतरे में पड़ सकती है। स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। 32 से 34 वर्ष की आयु में धनाभाव के कारण अन्य स्रोत में रुकावट ही होगी। 16 से 21 वर्ष तक की आयु का समय एकदम बेकार

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

रहेगा। उम्र के 34 वर्ष तक अच्छा विकास नहीं होगा। धन-सम्पत्ति पर बुरा असर पड़ेगा। आलस्य के कारण उल्टा प्रभाव पड़ेगा और आर्थिक नुकसान होगा। जीवन में दीमक लग जाएगा अर्थात् आपके सुख के साधन खराब हो सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. लाल, गुलाबी, महरुन रंग के कोरे कपड़े न रखें।
2. घर में धर्म स्थान की जगह न बदलें।

उपाय :

1. वर्षा का पानी छत पर रखें।
2. काला अंडरवियर पहनें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से वकील-जज या उच्च पद प्राप्त होगा। आपके दिमाग में उपजी बातें अवश्य पूरी होगी। आप दूसरों का भला करते समय अपने नुकसान का ख्याल नहीं रखेंगे। आपको लॉटरी से या अचानक धन की प्राप्ति हो ऐसी उम्मीद है। आपको सरकार द्वारा भी लाभ प्राप्त होगा। आपको उत्तम भवन एवं सवारी का सुख मिलेगा। 24वें वर्ष की उम्र तक शिक्षा प्राप्त करेंगे। आप बहुत ही चालाक और भाग्यवान होंगे। आप सभी के मददगार होंगे। आपका स्तर अपने पिता के स्तर से ऊंचा होगा। यदि आप सरकारी नौकरी करेंगे तो आप अच्छे अफसर हो सकते हैं। सरकारी यात्रा का शुभ परिणाम मिलेगा। आपके माता-पिता की दीर्घायु, चाचा-ताऊ सुखी होंगे। आप प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे आपको मानसिक शांति तथा मन को प्रसन्नता मिलेगी। आप भूमि के स्वामी होंगे तथा आपका मकान आलीशान होगा। लक्ष्मी आपके घर में निवास करेगी। आपको स्त्री-औलाद और माता-पिता का अच्छा सुख मिलेगा। भूमि में गड़े धन की प्राप्ति हो सकती है। लोहा आदि, मशीनरी के काम से बहुत लाभ उठाएंगे।

यदि आपका निर्धन व्यक्ति से संबंध रहा, टूटा सामान या टूटे हुए खिलौने चिपकाने या जोड़ने वाले पदार्थों आदि से जोड़ कर रखे होंगे, परस्त्री संबंध हुआ तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से अपनी बेड़ी डोव मल्लाह की तरह आपका हाल होगा। आपके जीवन का 23, 34, 48 एवं 55वां वर्ष अच्छा होगा परंतु इन वर्षों में माता पर बुरा असर पड़ेगा। आप पर कुछ लांछन लग जाएं या सम्मान को खतरा पहुंचे ऐसी आशंका है। आप पर कोई भयानक मुसीबत नहीं आएगी। एक से अधिक औरतों से संबंध रखने का फल अच्छा नहीं होगा। राजा होते हुए भी फकीरी लेने का विचार दिमाग में आता रहेगा। आपकी पत्नी के वक्षस्थल या गर्भाशय में कैंसर हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

उपाय करें।

परहेज :

1. टूटे हुए खिलौने घर में न रखें।
2. निःसंतान व्यक्ति से संबंध न रखें।

उपाय :

1. धर्म मंदिर में हर रोज सिर झुकाएं।
2. कुल पुरोहित की सेवा करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के आठवें खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आपकी अच्छी आमदनी होगी। किसी भी लड़ाई-झगड़े में आपकी जीत होगी। औलाद की बीमारी के प्रति चौकन्ना रहें। आप में काम शक्ति की अधिकता रहेगी। अपने भोजन खाने-पीने पर पूरी चौकसी बरतें। आप परिश्रम करने में संकोच नहीं करेंगे। परंतु आलस्य आपको कर्महीन बना सकता है। आपको पत्नी और औलाद का अच्छा सुख मिलेगा। जन्म स्थान से दूर, देश से विदेश तक कहीं भी निवास स्थान बनाना पड़ेगा। जल से संबंधित कामों या समुद्री यात्रा में तथा विदेशी औरतों से सावधान रहना जरूरी है। आपकी पत्नी की जुबान से निकला शब्द पत्थर पर लकीर होगा अर्थात् आप अपनी पत्नी को न कष्ट दें और न सतायें।

यदि आपका चाल-चलन खराब हुआ, ससुराल वालों को धोखा दिया या झगड़ा किया, सफेद बिना सींग की गाय घर में रखी तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आप पर हमेशा ही कर्ज का बोझ बना रहेगा। अधिकतर बीमार रहा करेंगे। आपकी पत्नी चिड़चिड़े स्वभाव की कुटिल होगी। आप किसी की जमानत न दें, वरना जमानत आपको भरनी पड़ सकती है। जिसका भाग्य पर बुरा असर पड़ेगा। 25 वर्ष की उम्र के बाद शादी करें अन्यथा पत्नी सुख में बाधा आ सकती है। आपकी बदनामी भी हो सकती है। आपके गुप्तांग में रोग हो सकता है। आलस्य के कारण भी शराबी और कबाबी होना तथा पराई स्त्री से संबंध रखने से, गुप्त रोग हो सकते हैं और आपके कामों में रुकावट पैदा होने के कारण बनेंगे। आप अपने जीवन में कुछ ऐसा कर गुजरेंगे जिससे आपको पश्चात्ताप होता रहेगा। पत्नी से झगड़ा करना आप को हार और हानि देगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दान या भिक्षा न मांगें।
2. ससुराल से धन आदि का धोखा न करें।

उपाय :

1. गंदे नाले में तांबे का पैसा या फूल डालें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

2. धर्मस्थान में सिर झुकाएं।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि पांचवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से मकान बनवाना संतान के लिए हानिकारक है। यदि मकान बन जाए तो 48 वर्ष तक आपको संतान सुख नहीं होगा या संतान से संबंधित मुसीबत हो सकती है। आपकी संतान मकान बनाये तो लाभ रहेगा। आपका स्वभाव धर्म देवता के समान है और स्वभाव भोले बादशाह के जैसा होगा अर्थात् आप दिखने में भोले-भाले होंगे लेकिन काम करने में चतुर होंगे। आपकी आर्थिक हालात सुधरेगी। अभिमान और अक्ल की बारीकी से अपनी जिंदगी को कामयाब बनाएं। आपकी किस्मत अच्छी होगी। आप अपनी मर्जी के मालिक होंगे। आप काम-काज बड़ी सफाई से करेंगे। आपकी प्रबंध व्यवस्था अच्छी होगी। अधिक संतान सुख की संभावना कम है। आप राजकीय सेवा में हैं तो आपको राज्य पक्ष से लाभ होगा। आप तकनीकी कामों से संबद्ध रहेंगे इसलिए आपकी पूछ हर जगह होगी। आपकी तरक्की भी होगी। कोई जमीन से या आकस्मिक धन प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

यदि आपने 48 वर्ष से पहले मकान बनाया, भाई-बंधुओं आदि से चोरी-ठगी की, आपके शरीर पर अधिक बाल हुए मांस-मदिरा का सेवन किया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से पेट में खराबी, विद्या में रुकावट, शराब-मछली का सेवन करने से खानदान नष्ट हो जाने का भय होता है। आपको सांप से डंक का भय है। आपकी आर्थिक हालत पर बुरा असर पड़ सकता है। 48 वर्ष की आयु तक पुत्र या मकान दोनों में से एक का सुख मिलेगा। विवाह एक से अधिक होने पर भी संतान सुख नहीं मिलेगा या बच्चा गोद लेना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शराब-मांस-मछली का सेवन न करें।
2. 48 वर्ष आयु से पहले मकान न बनावें।

उपाय :

1. सोना-केसर पास रखें।
2. सांप को दूध पिलावें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के पांचवें खाने में राहु पड़ा है। आपकी 21 वर्ष आयु में प्रथम पुत्र और 42 वर्ष आयु में दूसरा पुत्र पैदा होगा। आपको पुत्रों का सुख मिलेगा, उम्मीद है। औलाद मूर्ख और आप ब्रह्मज्ञानी होंगे। आपकी औलाद से अधिक सुखी जीवन आपके पोते-पड़पोते का होगा। आप चंचल और अस्थिर बुद्धि के होंगे। आपकी माता का संपूर्ण जीवन

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

बड़ा सुखमय समय रहेगा। धन-संपत्ति और औलाद में वृद्धि होगी। आपको भाई का सुख मिलेगा। आप परिवार और माया की ओर से सुखिया होंगे। धर्म-मर्यादा के मालिक होंगे। व्यापार आपके लिये सब उत्तम धन कमाने का साधन होगा, राज्याधिकारियों से लाभ होगा।

यदि आपने पत्नी से अच्छे संबंध न रखे, उससे तलाक लिया, बुजुर्गी मकान की दहलीज खराब कर ली, पिता या ससुर से झगड़ा किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आप बचपन में शरारती होकर पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगाएंगे। शिक्षा अधूरी रह जाएगी या मन के मुताबिक पढ़ाई नहीं कर सकेंगे। संतान जन्म से 12 वर्ष पत्नी का स्वास्थ्य खराब रहेगा। पहली संतान नहीं बचे ऐसी शंका बनती है। पत्नी से तलाक या जुदाई हो, ऐसी शंका है। पत्नी से तलाक/जुदाई की तो संतान का सुख न मिलेगा। आप पाप कर्म में रत हो सकते हैं। आपको पुत्र का सुख न मिले। आपकी सेहत बिगड़ सकती है तथा बेकार का धन खर्च होगा। आपकी आंखों की दृष्टि में भी कोई दोष उत्पन्न हो सकता है। आपके काम करने का ढंग भी स्थिर नहीं रहेगा। काम की चीजों को भी इधर से उधर करते रहेंगे। अस्थायित्व और चंचलता के आप शिकार होंगे। आपका बड़ा भाई अमीर या निःसंतान होगा, ऐसी आशंका है। समय साढ़े दस, 21-42वां वर्ष पिता या ससुर की आयु पर भारी रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. दूसरा विवाह न करें।

उपाय :

1. चांदी का ठोस हाथी घर पर रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।

नोट : यदि दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार वाले मकान में रिहाईश हो तो भी उपरोक्त उपाय जरूर करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप बहुत धन-दौलत के मालिक होंगे। इसके श्रेष्ठ फल से आप निहाल हो जाएंगे। आपको अपने भविष्य के लिए जागरूक रहना चाहिए। आपको राजपक्ष से शासन से संबंधित कार्यों में अच्छा फल मिलेगा। खानदानी जायदाद से अधिक जायदाद अपने हाथों से बना लेंगे। आपके जीवन में उत्तम राजयोग की संभावना है। आप सरकार पक्ष से या सम्मानित व्यक्ति से लाभ प्राप्त करेंगे। आप यदा-कदा हिम्मत हार बैठेंगे। आपकी औलाद शारीरिक तौर पर अच्छे स्वभाव की और अच्छे काम करने वाली होगी।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

यदि आपको काम पर जाते समय कोई पीछे से कोई आवाज दे, माता से झगड़ा या माता का विरोध किया, पुत्र संतान का लालन-पालन अच्छी प्रकार न किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से संतान पक्ष को कुछ कष्ट की आशंका है। मां के साथ आपके मधुर संबंध में न्यूनता की आशंका है या माता को आपकी संतान से सुख नहीं मिलेगा। आपको हमेशा ही पेट में दर्द की बीमारी लगी रह सकती है। आपके पुत्रोत्पत्ति के पश्चात् माता के सुख का अभाव हो जाएगा। माता की आंखों का आप्रेशन हो सकता है। बल्कि कुछ सुस्त या नामर्दी भी महसूस करेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शुभ काम पर जाते समय पीछे से कोई आवाज दे तो शुभ काम पर न जाएं।
2. व्यतीत समय को याद न करें।

उपाय :

1. काला कुत्ता न पालें।
2. काले-सफेद पत्थर के चकले पर रोटी बेल कर बनायें।

Pt Rupinder vashishth

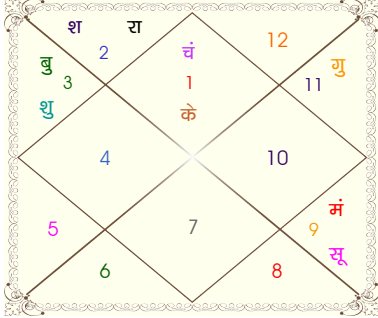
Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

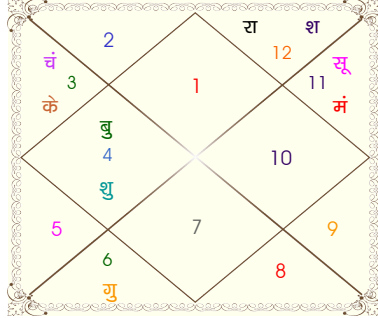
rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब - वर्ष कुंडली

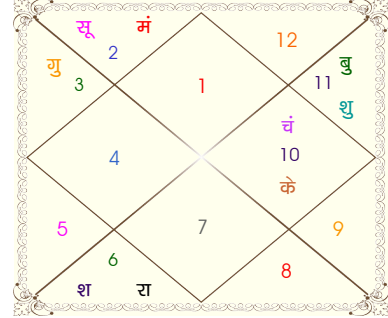
2026



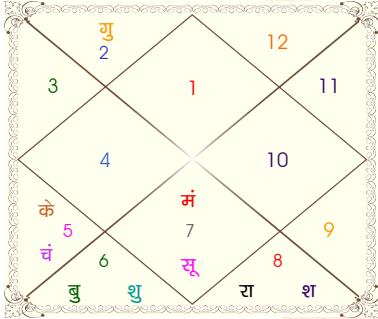
2027



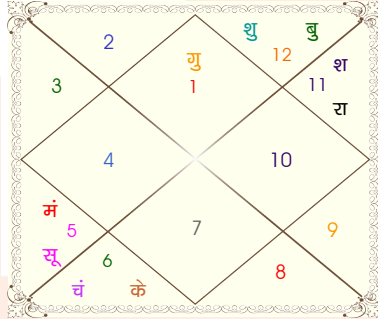
2028



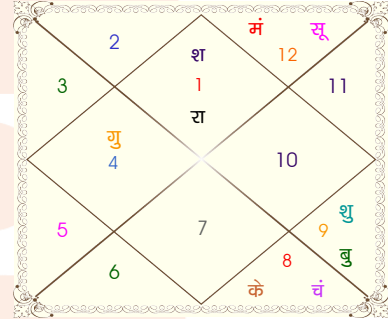
2029



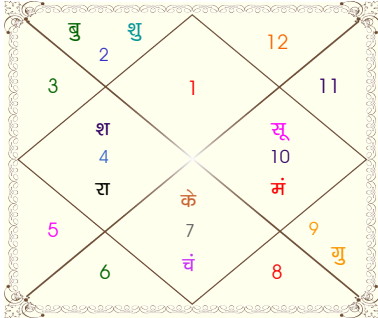
2030



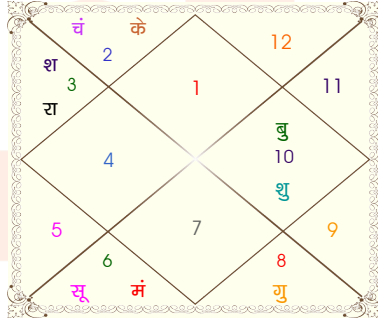
2031



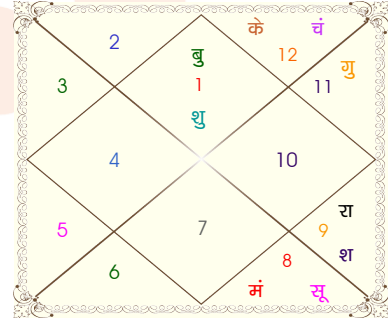
2032



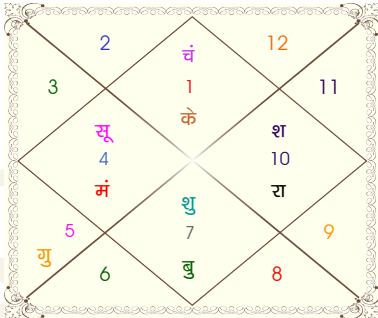
2033



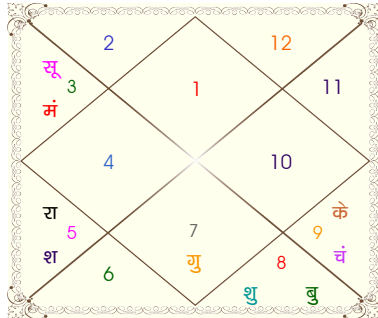
2034



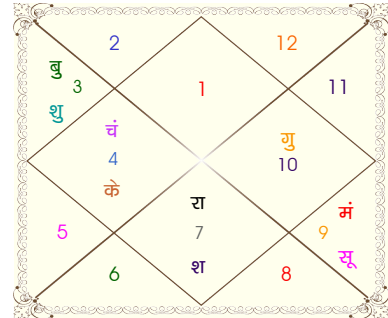
2035



2036



2037



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

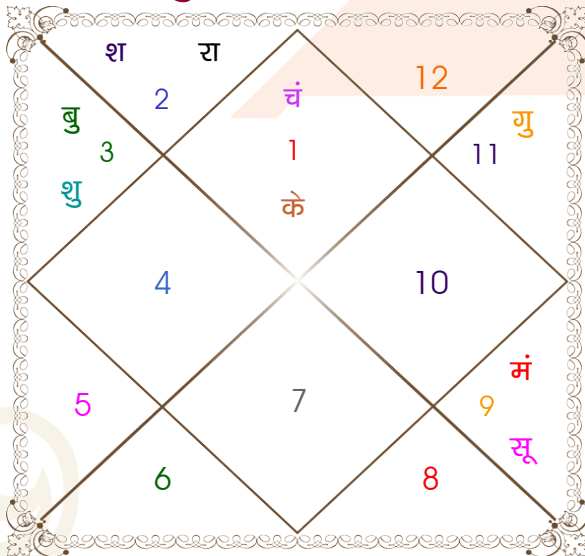
वर्तमान आयु - 48
वर्तमान दशा - केतु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	हाँ	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	नेक
केतु	--	हाँ	हाँ	मन्दा

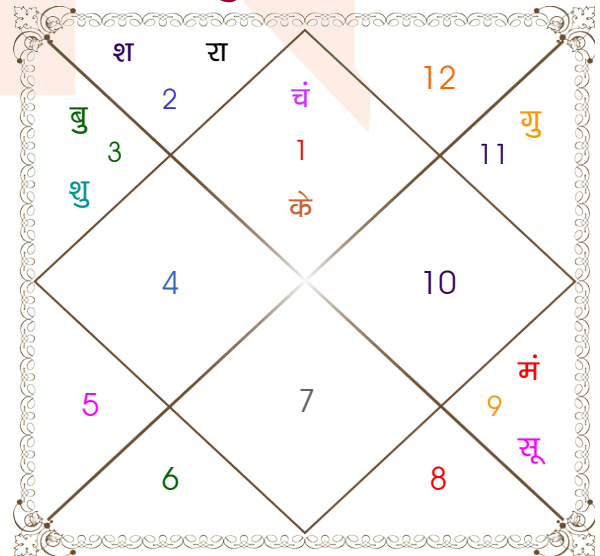
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	हाँ	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupindersharma1971@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष उत्तम वाहन का सुख मिलेगा, तीर्थ यात्रा का लाभ व शुभ फल मिलेगा। समाज और परिवार के लिये आपके मन में त्याग और परोपकार की भावनाएं भी रहेगी, परिवार के व्यक्तियों के पालन का अतिरिक्त भार आप पर हो सकता है। स्वपराक्रम से किस्मत का सितारा और भी बुलंद होगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान/गिफ्ट आदि न लें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दुनियावी प्रेम संबंधों के कारण हानि होगी, विद्या संबंधी चिंता होगी। संतान सुख में विघ्न, गाय से नफरत करना या नौकरानी से झगड़ा करना आप की तरक्की में रुकावट होगा। सर्दी-जुकाम का भय रहेगा, पानी से होने वाले रोगों से बचें। माता से दूरी या माता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. सूर्य को अर्ध्य देवें या वट के वृक्ष को कभी-कभी पानी डालें।
2. चांदी के गिलास में दूध-पानी आदि पीयें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पैतृक सम्पत्ति में वृद्धि और उसका लाभ मिलेगा, परिवार में धार्मिक उत्सव भी हो सकता है। नौकरी-व्यापार में अधिक धन लाभ मिलेगा। विवाहित भाई के साथ रहेंगे या उसकी पत्नी की सेवा करेंगे तो आप समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति की हैसियत से उभरेंगे और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. परदेश में रिहाईश न करें।
2. भाई से झगड़ा न करें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बहन-लड़की, साली-बुआ से धन लेकर कोई कार्य किया तो कार्य में हानि हो सकती है। आपके भाग्योदय में रुकावट आ सकती है या आप कर्जदार हो सकते हैं। जबान के रोग होने का भय है। भाई-बहन की चिंता या उनसे झगड़ा करने पर हानि हो सकती है। नाड़ियों चमड़ी रोग का भय रहेगा।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूर्गा पूजन या कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा करें।
2. तोता पाले या तोते को चूरी खिलायें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चाल-चलन खराब हो सकता है। चाल-चलन संभालना आप के लिये एक जरूरी चीज है। दादा-पिता को कष्ट, सोने के आभूषणों की हानि, आंखों की नजर कमजोर हो सकती है। किस्मत का फल कुछ मध्यम रहेगा। परिवार के लोगों की हिफाजत करना आपके लिए एक जरूरी कर्म होगा।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पीला रुमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान दें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष स्त्रियों द्वारा धन लाभ होगा। स्त्री आपके कामों में हाथ बटाएंगी या पत्नी के साथ शुरु किये कामों से लाभ मिलेगा। आप पर कोई न कोई स्त्री मोहित रह सकती है। कम मेहनत से अधिक लाभ मिले ऐसी संभावना है। पत्नी से घर में रहते कभी चोरी नहीं होगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुजुर्गी घर की दहलीज को ठीक रखें।
2. राग-रंग में रुचि न रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भक्ति में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष ननिहाल या ससुराल से लाभ मिलेगा। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे चलने वाला होगा जो कि अच्छा या बुरा दोनों ही तरह का हो सकता है। चोरी के माल से सावधान रहें चोरी का इल्जाम लगने का भय होगा, धन कोष में वृद्धि होगी। दान और मुफ्त माल से परहेज करेंगे।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सट्टा-जुआ आदि न खेलें।
2. धर्म स्थान में रिहाईश न करें या धर्म स्थान में न जायें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में किसी व्यक्ति के संतान योग हो तो लड़के की बजाय लड़की पैदा होगी। अगर यात्रा हो तो यात्रा में हानि होगी। नौकरी में स्थायी काम करना अधिक लाभ देगा। घर से दूर स्थानान्तरण हो या विदेश योग बने तो 100 दिन में वापिस आना पड़ेगा। तबदीली हो जाये तो रुक सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. लाल रुमाल पास रखें।
2. काले-सफेद कुत्ते की सेवा करें या पालें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- माता या माता सामान स्त्री को उपहार देकर आशीर्वाद लेवे या चांदी के गिलास में कच्चा दूध

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

पिये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

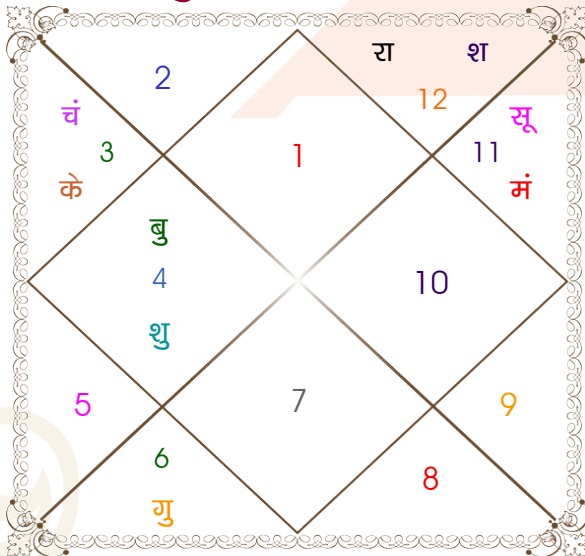
वर्तमान आयु - 49
वर्तमान दशा - केतु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	हाँ	मन्दा

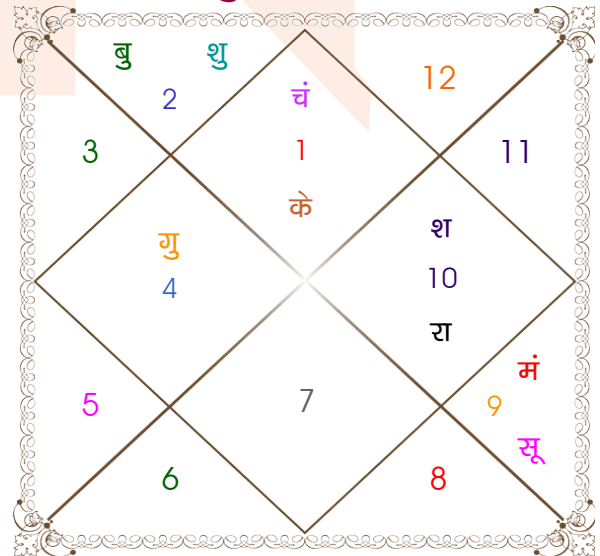
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष सुस्ती और लापरवाही से जीवन में तरक्की के कई अवसर खो सकते हैं। मांस-शराब के इस्तेमाल करना संतान को कष्ट होगा या संतान सुख की चिंता रहेगी। दूसरे लोगों को गाली देना, झूठी गवाही देना, लड़ाई-झगड़ा करना आपके लिये ठीक नहीं है इन बातों से बचें। सरकारी विभाग द्वारा दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. झूठ न बोलें, जूठ भोजन न खावें और न खिलावें।
2. मांस-मछली न खावें और शराब आदि न पिये मादक चीजों का सेवन न करें।

चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका बहन-भाई से झगड़ा हो सकता है, विद्या के प्रति सतर्क रहना चाहिए। भाई-बहन को दुःखी करने या उनका हिस्सा दबाने से चोरी का भय और यात्रा में हानि हो सकती है। होस्टल के विद्यार्थियों या किसी संस्था के लिये मिला सामान या उनका धन खुर्द-बुर्द न करें और गिफ्ट मिला सामान अपने लिये प्रयोग न करें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दुर्गा पाठ या कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा करें।
2. गुड़-गंदम-तांबा दान करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वभाव न्यायप्रिय रहेगा, अपनी किस्मत स्वयं अपने हाथों से बनाएंगे, कारोबार में तरक्की होगी, जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा और इस वर्ष आपको सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। पुत्र-पौत्र का सुख मिलेगा, आपको शत्रुओं से कोई भय नहीं रहेगा या शत्रु भी मित्र बन जायेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किसी पर भी भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धन लाभ, परिवार में सभी सुखी और सुख के साधन मिलेंगे। कुल मिला कर राजयोग का समय है, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ प्राप्त हो ऐसा योग है। बहन-बेटी, बुआ-साली से भी लाभ हो सकता है। माता से धन-जायदाद का लाभ होगा मगर मातृ सुख में कमी की आंशका रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बेटी-बहन, बुआ-साली से झगड़ा न करें।
2. विधवा स्त्री से सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नकद धन की कमी नहीं होगी। हर चीज बिना मांगे आपको मिल सकती है। कम मेहनत अधिक लाभ। शत्रु अपने आप नष्ट हो जाएंगे या शत्रुओं पर आपकी जीत होगी, बुजुर्गों के नाम पर दान करेंगे या धर्मार्थ चीजे बनवायेंगे। हर समय अपने कामों को निपटाने के लिये ध्यान देना पड़ेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कर्ज/दान या गिफ्ट न लेवें या भीख न मांगें।
2. आवारा न घूमें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप में काम वासना की अधिकता के लक्षण है। दूसरी स्त्री आप पर मोहित हो सकते हैं। मामा-मौसी से लाभ मिलेगा, उत्तम भवन-वाहन का सुख मिलेगा, उत्तम भोजन-शयन का शौक रहेगा। आप अपने परिवार या शहर/गांव/देश में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे, यात्रा अधिक होगी और यात्रा से लाभ होगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें, अनैतिक संबंध न रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज ठीक रखें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष धन व्यय अधिक होगा और वह भी परिवार के शुभ कामों पर, सरकारी विभाग और मुकदमों में जीत होगी। आपको रात्रि का पूरा आराम मिलेगा। साधना या अध्यात्म में आपकी रुचि रहेगी तो वह आपको हानिकारक हो सकती है। शराब पीना, मांस-मछली खाना आपके लिये हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका धन शुभ कामों या विवाह आदि पर खर्च हो सकता है। यदि आप पर ऋण का बोझ हो जाये तो वह उतर जायेगा, शत्रु दबे रहेंगे। अध्यात्म विचार आपको शायद ही लाभ देंगे। अपने बलबुते पर सभी कार्य सिद्ध कर लेंगे। रात को सुख की नींद मिलेगी और सुख के साधन बढ़ेंगे।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. रसोई से बाहर बैठ कर खाना न खावें।
2. घर के आंगन में धुंआ न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष दूसरों की सलाह लेना आपके लिये हानिकारक है। आवारा घूमना या भाई से दूर प्रदेश में जीवन व्यतीत करना ठीक नहीं, शरीर पर फोड़े-फुंसी की शिकायत भी हो सकती है। किसी के किये पेशाब पर पेशाब करना आप को गुप्तांग में रोग और शरीर कष्ट देगा या संतान सुख की चिंता रहे ऐसा भी संभव है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. कानों में शुद्ध सोने की ननतियां पहनें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- वजन का दसवें हिस्से के बराबर कन्याओं को हलवा/बिस्कुट देकर आशीर्वाद लें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com